1 फ्रांसीसी क्रांति

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अंक 2)

(1) स्टेट क्या था?

उत्तर- स्टेट जनरल वह है, जो फ्रांसीसी क्रांति के समय असेंबली विधानसभा में होते हैं।

(2) गिलोटिन क्या था?

उत्तर-गिलोटिन- गिलोटिन अथवा ऊर्ध्वाधर कर्तरी - शिरश्छेदन (सिर छेदकर) मृत्युदण्ड देने के लिए कर्त्तन यंत्र है।फ्रासीसी क्रांति के समय फ्रांस में इसका विशेष उपयोग हुआ और बहुत से लोगों को इसके द्वारा सिरोच्छेद करके मारा गया।

(3) आतंक का राज किसे कहते हैं ?

उत्तर- आतंक का राज- सन् 1793 से 1794 तक के काल को आतंक का राज (युग) कहा जाता है।

(4) फ्रांस के संदर्भ में टाइद क्या था ?

उत्तर- पश्चिम यूरोप में स्थित एक देश है, किंतु इसका कुछ भूभाग संसार के अन्य भागों में भी है। पेरिस इसकी राजधानी हैं। यह यूरोपीय संघ का सदस्य है, यही टाइद कहलाता है।

(5) टेनिस कोर्ट में जनसाधारण के प्रतिनिधियों ने क्या शपथ ली ?

उत्तर- टेनिस कोर्ट की शपथ- 20 जून, 1789 को लुई 16वें ने कुलीनों के प्रभाव में आकर तृतीय सदन के सभा भवन को बंद करवा दिया और वहां सैनिकों को नियुक्त किया तो तृतीय सदन के सदस्यों ने पास के टेनिस कोर्ट के मैदान में अपनी सभा की और शपथ ग्रहण की जो इतिहास में टेनिस कोर्ट की शपथ के नाम से विख्यात है।

(6) कान्वेन्ट का क्या अर्थ है ?

उत्तर- कान्वेट का अर्थ मठ होता है।

(7) जेकोविन क्लब के सदस्य कौन थे? इनका नेता कौन था?

उत्तर- जैकोबीन क्लब के सदस्य मैक्समिलियम रॉब्यियर थे।

(8) फ्रांस की क्रान्ति ने विश्व को कौन से तीन सिद्धांत दिये?

उत्तर- तीन सिद्धांत निम्नलिखित है- (1) फ्रांस की राज्य क्रांति 1789 ई.। (2) फ्रांस की राज्यक्रांति के समय फ्रांस में सामंती व्यवस्था थी। (3) 14 जुलाई 1789 ई.। (4) समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का नारा फ्रांस की राज्याक्रांति की देन है।

(9) फ्रांस की क्रान्ति कब आरंभ हुई ? इसके दो प्रभाव लिखिए।

उत्तर- सन् 1848 में पूरे यूरोप में क्रान्ति की तरंग छायी हुई थी। 1848 की फ्रांस की क्रान्ति के फलस्वरूप ओलिन्यन राजतन्त्र (1830-48) का अन्त हुआ तथा द्वितीय फ्रांसीसी गणतंत्र की स्थापना हुई। 25 फरवरी 1948 को लामरतीन (Lamartine) ने पेरिस के टाउन हाल के सामने लाल ध्वज को अस्वीकार कर दिया।

(10) 'सौ' कुलॉत' का अर्थ बताइए।

उत्तर- 'सौ कुलात'-यह प्रीचेस पहनने वाले कुलीनों की सत्ता समाप्ति के ऐलान का एक तरीका था।

(11) फ्रांसीसी समाज के किन तबकों को क्रांति का फायदा मिला?

उत्तर- फ्रांसिसी क्रांति का सबसे ज्यादा फायदा कुलीन वर्ग को मिला। इस क्रांति का फायदा सबसे ज्यादा पढ़े लिखे लोग व मध्यम वर्ग के लोगों को हुआ। राजपरिवार कुलीन वर्ग तथा पादरी लोगों को इस बात पर अपनी सत्ता छोड़नी पड़ी।
क्रांति के कारण वहाँ के लोगों को अपना राज-पाट छोड़ना पड़ा।

(12) फ्रांसीसी समाज के किन तबकों को क्रांति के कारण सत्ता छोड़ने पर मजबूर होना पडा।

उत्तर- फ्रांसीसी क्रान्ति से सर्वाधिक लाभ तृतीय एस्टेट के धनी सदस्यों को हुआ। तृतीय एस्टेट में किसान, मजदूर, वकील, छोटे अधिकारीगण, अध्यापक, डॉक्टर एवं व्यवसायी शामिल थे। क्रांति से पहले इन सभी को कर अदा करने पड़ते थे। साथ ही इन लोगों को पादरियों और कुलीनों के द्वारा के अपमानित भी किया जाता था, लेकिन क्रांति के बाद उनके साथ समाज के उच्च वर्ग के समान व्यवहार किया जाने लगा। पादरियों एवं कुलीन वर्ग के लोगों को अपने विशेषाधिकारों को त्यागने पर विवश होना पड़ा। क्रान्ति के परिणामों से महिलाओं को निराशा हुई क्योंकि वे लैंगिक आधार पर पुरुषों की समानता का अधिकार हासिल नहीं कर सकी।

(13) 18वीं सदी में फ्रांसीसी समाज कितने वर्गों में बँटा था?

उत्तर- 18वीं सदी में फ्रांसीसी समाज तीन वर्गों में बंटा था- प्रथम एस्टेट (पादरी), दूसरा एस्टेट (बड़प्पन) और तीसरा एस्टेट (सामान्य)।

(14) फ्रांसीसी समाज में कर व्यवस्था कैसी थी ?

उत्तर- फ्रांसीसी समाज में कर व्यवस्था : अठारहवी सदी में फ्रांसीसी समाज तीन एस्टेट्स में बंटा था। केवल तीसरे एस्टेट के लोग (जनसाधारण) ही कर अदा करते थे। वर्गों में विभाजित फ्रांसीसी समाज मध्यकालीन सामंती व्यवस्था का अंग था। 'प्राचीन राजतंत्र पद का प्रयोग सामान्यतः सन् 1789 से पहले के फ्रांसी समाज एवं संस्थाओं के लिए होता है।

(15) फ्रांस की क्रांति की शुरूआत किन परिस्थितियों में हुई? कोई दो बिंदु लिखिए

उत्तर- फ्रांस की क्रांति की शुरूआत निम्न परिस्थितियों में हुई- (1) इसकी शुरुआत 14 जुलाई, 1789 को हुई जब क्रांतिकारियों ने बैस्टिल नामक जेल पर धावा बोल दिया। (2) क्रांति 1799 के अंत में आई, जब नेपोलियन नाम के एक जनरल ने क्रांतिकारी सरकार को उखाड़ फेंका और फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास (नेपोलियन के साथ नेता के रूप में) की स्थापना की।

(16) फ्रांस के लिए फ्रांसीसी क्रांति के दो परिणाम लिखिए

उत्तर- (1) इस क्रांति के परिणामस्वरूप देश की बहुसंख्यक जनता को सामन्तवाद से हुछुटकारा मिल गया। व्यापार कर कुलीनों व सामन्तों का एकाधिकार समाप्त हो गया। (2) फांस में राजनीतिक पतन के कारण नये राजनीतिक वातारण का सृजन हुआ तथा फ्रांस में सम्प्रभुता के सिद्धांत की प्रतिस्थापना हुई। मध्यमवर्गीय जनता की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई।

(17) 19वीं और 20वीं सदी की दुनिया के लिए फ्रांसीसी क्रांति कौन सी विरासत छोड़ गई?

उत्तर- लोकतान्त्रिक अधिकारों के विचार, जैसे स्वतंत्रता और जनवादी अधिकारों के विचार, फ्रांसीसी क्रांति की सबसे महत्वपूर्ण विरासत थी।

(18) क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में विभिन्न अंतर्विरोध फ्रांस में लुई 16 के समय में खजाना खाली होने के दो कारण लिखिए।

उत्तर- हाँ, हम इस तर्क से सहमत है कि सार्वभौमिक अधिकारों के संदेश में विभिन्न अंतर्विरोध थे।

(19) फ्रांस में लुई 16 के समय में खजाना खाली होने के दो कारण लिखिए?

उत्तर- दो कारण निम्नलिखित हैं- (1) लंबे वर्षों के युद्ध ने फ्रांस के वित्तीय संसाधनों के सुखा दिया था। (2) युद्ध एक ऋण में जोड़ा गया।

(20) जैकोबिन्स कौन थे? इन्होंने देश में किस प्रकार आतंक फैलाया?

उत्तर- जैकोबिन्स एक राजनीतिक पक्ष के नेता थे। मई 1793 में मैक्सिमिलियन रोबेस्पियर के नेतृत्व में माउंटेन गुट के नेता गिरोदिन गुट को दरकिनार करने में सफल रहे और जुलाई 1796 तक सरकार को नियंत्रित किया। सरकार में उनके समय में उच्च स्तर की राजनीतिक हिंसा थी। इस कारण जैकॉबिन/माउंटेन सरकार की अवधि आतंक के शासन के रूप में पहचाना जाता है।

(21) फ्रांस में 14 जुलाई का क्या महत्व है ?

उत्तर- फ्रांस में 14 जुलाई का महत्व- फ्रांस हर साल 14 जुलाई को फ्रांस के राष्ट्रीय-दिवस के रूप में मनाता है, जिसे

बास्तील दिवस (Bastille Day) भी कहा जाता है। यह 14 जुलाई, 1789 को फांसीसी क्रांति के दौरान बास्तील में धावा बोलने की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है।

(22.) रूसों कौन था ? फ्रांस की राज्य क्रान्ति में इसका

उत्तर- रूसों एक जिनेबन दार्शनिक, लेखक और संगीतकार थे। रूसो ने राजा की निरंकुशता तथा दैवी अधिकार के सिद्धान्त का खण्डन किया और जनता की इच्छा को सर्वोपरि बतलाया। इस सिद्धान्त नै फ्रांस की तत्कालीन सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचा दी। फलस्वरूप फांस की निराश जनता के हृदय में नवीन आशा और उत्साह का संचार हुआ।

(23.) माण्टेस्क्यू के विषय में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर- माण्टेस्क्यू - मान्टेस्क्यू फांस के एक राजनैतिक विचारक, न्यायविद तथा उपन्यासकार थे। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत दिया। वे फांस में ज्ञानोदय के प्रभावी और प्रख्यात प्रतिनिधि माने जाते है।

(24) डिरेक्ट्री शासित फांस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- डिरेक्ट्री शासित फ्रांस- फ्रांस की डाइट फ्रांस की की शासन व्यवस्था को डिरेक्ट्री या संस्था कहते है। इस शासन को फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट ने दिया था।

(25) फ्रांस में दास प्रथा का उन्मूमन कब और किस प्रकार हुआ?

उत्तर- फ्रांस में दास-प्रथा- सन् 1794 के कन्वेंशन ने फांसीसी उपनिवेशों में सभी दासों की मुक्ति का कानून पारित कर दिया।यह कानून एक छोटी-सी अवधि तक ही लागू रहा। दस वर्ष बाद नेपोलियन ने दास प्रथा पुनः शुरू कर दी। फ्रांसीसी उपनिवेशों से अंतिम रूप में दास प्रथा का उन्मूलन 1848 में किया गया।